

प्रेषक:-

दिव्येन्द्र जला,
राजस्थान,
उत्तरोत्तर राजस्थान।

संदेश:-

प्रिय निषेद्धका,
चाह एवं नगरिक आमुर्ति,
आरोहन, रेहरानुन।

चाह एवं नगरिक आमुर्ति आकुमन

देहरानु : दिनांक: मार्च २५, २००३

पिपल: लेलासीष्टक ४०३ के अन्वयित वित्तीय स्थीर्ति (वित्तीय वर्ष २००२-२००३)

महाराज,

ठारोजना पिपलक आपके पत्र संख्या ३५८/एआर/वजट/-४०३/२००२-२००३ तथा शासनारेश रोडा ०२/एआर/वजट/२००३ दिनांक ०१ अक्टूबर, २००३ के इसमें मुझे यह घड़ने का निर्देश हुआ है कि भी राजस्थान गठनात्मक विभाग प्रणाली द्वारा खाड़ान उम्मीद, ईप्पलिंग/धरियाहन/गोशांग विभाग/ विभाग देवर आदि (विधिप्रथा वर्ष) द्वारा भवान शुल्क के शुभान हेतु विन विवरणमुदार गुरु २० ४,८२,००,०००/- (रुपये चार करोड़ चारसौ लाख भाव) की वराचारि को आदेति पर आग लिये जाने की जाएं तथा उसी विवरणमुदार द्वारा जारी है:-

क्रमांक	मद या भूमि	गढ़वाल रोमांग द्वारा लीकृत धराचारि (लाखों में)	मुग्धवी संभाग द्वारा लीकृत धराचारि (लाखों में)	मुक्त रक्षीकृत धराचारि (लाखों में)
१	सामराज्ञिक विभाग प्रणाली द्वारा खाड़ान उम्मीद, धरियाहन/विभाग देवर/प्रशासन/वाट आदेति विवरणमुदार आदि	-	२,००,००,०००	२,००,००,०००
२	ईप्पलिंग/धरियाहन/गोशांग विभाग देवर/प्रशासन/वाट आदेति विवरणमुदार आदि	३२,००,०००	२,५०,००,०००	२,८२,००,०००
	कुल	३२,००,०००	४,५०,००,०००	४,८२,००,०००

(रुपये चार करोड़ चारसौ लाख भाव)

१. यन्त्रित का आदेति तात्पारिक आसाधिक भावावकास को आपार पर लिया जाये और शाम वराचारि एवं विष्वीकृत धराचारि के उत्तरना ही अमरुद्वज की जाएगी।

२. यह वर्तमान से राज्यान्वित तौर पर लापार लेता (इ. 'दिंग एगाडर') के रूप में रख जायेंगे जिस प्रतिक्रिया का उपर निर्माण तथा वित्तीय वर्ष द्वीप सम्प्रदाय की द्वारान 'इनी-दाम' लेता रहना चाहिए।

- इस धनराशि के आहरण की वानुमति रोकारोगांक-भ०० के घटकान यर्थ से राज्यवित्त अधिकारी को सीमा के बलांग द्वारा प्रदान की जाएगी।
- जस्ता धनराशि से वहले सवासे बुचाने यापो का भुगतान निम्नानुसार रागत ऑपरेटरिक्टाले पूर्ण करने चुए जाएगा।
- स्वीकृत धनराशि के चारेहे बर्गांग विलोय यर्थ में जाना धनराशि (कैवल्य यांगांव विलोय यर्थ से बर्गीकृत पूर्व विलोय यर्थ की धनराशि को राज्यवित्त न दर्ता हुए) मे से आहेति धनराशि अदात अधारोंव धनराशि नों सीमा लापा हो आवश्यक अनुराशि जो आहरण किला जालेगा। इस द्वारा राज्यवित्त वर्ष प्रदूषितपद्धत द्वारा प्रदूषण भज शाहरज एवं विलरण अधिकारी द्वारा नियमित विलरण जावेगा।
- जीवित धनराशि वित्तीक यर्थ 2002-2003 गो अनुकम रोक्या-29 के लोक्य ३०००० ५५०८-दाता भागदात तथा धणडागांव वर्ष पूर्वीगाड खरिव्य-००-आयोवेलार-०१- राव-१०१-सालिं वर्ष ०२-०३-शाम गांव रोक्या-३१-सायगोडीर समूही द्वे नामे छाला जावेगा।

नह वारेला विलरण को परामर्श दो अनुजार आहो विलरण जा रहे हो।

सामान्य,

(विवेन जल)
विवेन

दिनांक: १८ ऑक्टोबर/सप्टेंबर/२००३, उत्तरांग

विवेन उत्तरांग यो धनराशि एवं अनुराशि नार्ती द्वारा ०५००२-

- गढ़वाळांग, उत्तरांग, विवेन गांव, गावच, विवेन
- गावुम, राय एवं मानसिक आनुराशि, लार्सांग, विवेन
- आगुम, गावांग/गुगांग, नगदल, विवेन/नेतोंगांग
- समाय विलरिवारी उत्तरांग :
- निरांग, धोखांगा विला निरेलालव, उत्तरांग विवेन
- कमांगीय राय निरेलव, गावुम/गुमांग रामभाना
- वारु निरेलव, चल्कांगी रामिवारी उत्तरांगवा
- निरिंग नांगालिंगांगी, विवेन/आयविलांगांग
- वानांगा लंगांगिंगांगी, चाय गुड्याल/गुड्यांग लंगांग, विवेन/उत्तरांगी
- विल अनुभांग-३ उत्तरांग शासन
- पुरां यो भागांग आर्ही शनुनाम, उत्तरांग शासन
- गांव विवेन

विल द्वारा
(विवेन विवेन)
जारी कीय

३
१०००८